K.Nand M.A III Sem's 20/10/2021

1

Q:- मनोविदलिता के लक्षणों तथा कारणों की व्याख्या करें।
Explain the symptoms and etiology of schizophrenia.

Ans:- मनोविदलता (schizophrenia) एक गंभीर मनोविकृति है। यह कई प्रकार का होता है और प्रत्येक मनोविदलता प्रकार में एक विशिष्ट प्रकार के लक्षण पाए जाते हैं। सैद्धान्तिक मनोविज्ञानियों एवं मनोरोगविज्ञानियों द्वारा किए गए अध्ययनों के आधार पर सभी प्रकार के मनोविदलता से पीड़ित रोगियों में निम्नांकित सामान्य लक्षण पाए जाते हैं —

(1) संवेगात्मक विकृतियाँ (Emotional disorders):- मनोविदलता के रोगियों में संवेगात्मक उदासीनता (Emotional apathy) की प्रधानता रहती है। रोगी बाह्य वातावरण तथा अन्य व्यक्तियों के प्रति उदासीन रहता है। उनके संवेग मन्द पड़ जाते हैं। उनके सुख-दुख की भावना मन्द तथा दुर्बल हो जाती है। वे एकान्त में बैठे अपने ही विचारों में खोये रहते हैं। संवेगात्मक उदासीनता इतनी अधिक होती है कि परिवार के किसी व्यक्ति की मृत्यु, उत्सव, संतान की सफलता-विफलता आदि का प्रभाव उन पर नहीं पड़ता है। पीड़ित व्यक्ति अन्य किसी से बात नहीं करता है। कभी-कभी तो कुछ रोगी वर्षों तक एक शब्द भी नहीं बोलते हैं। मनोविदलता की रोगी में संवेगात्मक विच्छिन्नता इतनी अधिक होती है कि वे एक ही रोते और हँसते पाए गए हैं। वे भूख, प्यास आदि के प्रति इतने उदासीन होते हैं कि जब तक दूसरा कोई उन्हें खिलावे-पिलावे पर ध्यान न दे तो ये भूख-प्यास से मर भी सकते हैं।
मैकडुगल का मत है कि संवेगात्मक

K. Nand M.A III Sem's 20/10/2021

2

उदासीनता इसके रोगी के प्रधान और अनिवार्य लक्षण हैं।

(2) विघटित व्यक्तित्व (Dissociated Personality) — मनोविदलता से पीड़ित रोगियों में भावात्मक, बोधात्मक तथा क्रियात्मक प्रक्रियाओं के बीच समन्वय की भारी कमी पाई जाती है। पीड़ित का व्यक्तित्व विच्छिन्न हो जाता है, जिसे "इन्ट्रासाइकिक ऐटैक्सिया" (Intrapsychic ataxia) कहा जाता है। कुछेक को छोड़ कर प्रायः मनोविदलता से ग्रस्त सभी रोगियों में यह लक्षण पाया जाता है। रोगी की सभी क्रियायें असम्बद्ध होती हैं। संवेग का अनुभव किए बिना वह चिल्ला उठता है कि "कल मैं मर जाऊँगा" आदि-आदि। कभी-कभी वह शोक मनाते-मनाते हँसने या नाचने-गाने लगता है। इस प्रकार रोगी की सभी क्रियायें परस्पर स्वतंत्र रहती हैं।

(3) मानसिक ह्रास (Mental deterioration) — मनोविदलता के रोगियों में मानसिक ह्रास का लक्षण भी पाया जाता है। यह ह्रास क्रमिक होता है और प्रायः सभी प्रकार के रोगियों में कमोबेस पाया जाता है। मानसिक ह्रास बुद्धि का प्रयोग न करने के कारण होता है। वह तिथि और वार भी ठीक ढंग से याद नहीं रहते हैं। इसके रोगियों में स्मरण, क्रियात्मक शिक्षण आदि में ह्रास देखा जाता है।

(4) विभ्रम (Hallucination) — विभ्रम इस रोग का एक प्रमुख लक्षण है। यह प्रायः सभी रोगियों में पाया जाता है। श्रवण संबंधी, स्पर्श संबंधी, घ्राण संबंधी, स्वाद संबंधी विभ्रमों की बहुलता होती है। रोग की प्रारम्भिक अवस्था में श्रव्य और श्रवण से सम्बन्धित विभ्रम अधिक होते पाये जाते [illegible]

K. Nand M.A III Sem 20/10/2021

की अवस्था में दैवी या शैतानी आदेशों की आवाजें सुनते हैं। दृश्य संबंधी विभ्रमों अपने मृत परिजनों या ईश्वर दर्शन का विभ्रम होते पाया जाता है। उन्हें खाने में विचित्र स्वाद की अनुभूति होती है। वे समझते हैं कि उनके दुश्मनों ने उनकी हत्या करने के लिए भोजन में जहर मिला दिया है तथा आस-पास में विषैली गैस छोड़ दी है। इस प्रकार का विभ्रम लगभग सभी प्रकार के मनोविदलता से पीड़ित रोगियों का मुख्य लक्षण है।

(5) व्यामोह (Delusion) — मनोविदलता से पीड़ित व्यक्ति में व्यामोह या भ्रान्ति के लक्षण भी प्रमुखता से विद्यमान होते हैं। व्यामोह गलत विश्वास पर आधारित होते हैं जिसके न होने का सबूत उपस्थित होने के बावजूद भी व्यक्ति उसे गलत मानने को तैयार नहीं होता है। मनोविदलता के कुछ रोगी ऐसे होते हैं जिनमें एक ही व्यामोह प्रबल होता है। परंतु कुछ रोगी ऐसे भी होते हैं जिनमें एक से अधिक व्यामोह स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। APA, 1994 के अनुसार मनोविदलता में सबसे प्रमुख व्यामोह दण्डात्मक व्यामोह होता है जिसमें रोगी को ऐसा विश्वास हो जाता है कि लोग उन्हें योजना बनाकर विभेदित कर रहे हैं, डरा-धमका रहे हैं या उनपर आक्रमण करने वाले हैं या दूसरे लोग उसे तरह-तरह से कष्ट पहुँचाने का षड्यंत्र रच रहे हैं। इसके अलावे प्रभाव का व्यामोह, महानता का व्यामोह रोगात्मक आदि कई प्रकार के व्यामोह भी पाया जाता है।

(6) व्यवहार संबंधी विकृतियाँ (Behavioural disorder)
मनोविदलता के रोगी का व्यवहार सामान्य प्रतिमान से पूर्णतः भिन्न होता है। पीड़ित व्यक्ति का व्यवहार विचित्र ढंग (stereotyped) तथा आवेगशील होता है। रोगी अपने शरीर